विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग दशम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:-०४/०१/२०२१ (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)

श्लोक

यत् प्रोक्तं येन केनापि तस्य तत्वार्थनिर्णय:।

कर्तुं शक्यो भवेद्येन स विवेक इतीरित :।।

शब्दार्थ:

प्रोक्तम् – कहा गया है

ईरित: - कहा गया है

कर्तुम् -करने के लिए

अर्थ

जिस किसी के द्वारा भी जो कहा गया है, उसके वास्तविक अर्थ का निर्णय जिसके द्वारा किया जा सकता है, उसे विवेक कहा गया है।